सामाजिक संस्था संपूर्णा
संपूर्ण विकास की ओर अग्रसर
(गैर सरकारी संगठन)

"आलेख"

इतनी शक्ति हमें देना दाता, मन का विश्वास कमजोर हो ना

डॉ शोभा विजेंद्र
संपूर्णा संस्थापिका

कल रात को समाचार आया कि भारत विकास परिषद के विभिन्न पदों पर रहने वाले, पूर्व निगम पार्षद एवं हमारे बहुत ही प्रिय भाई श्री भूपेंद्र मोहन भंडारी जी की धर्मपत्नी मीना भंडारी इस दुनिया में नहीं रही हैं। यह दु:खद समाचार केवल शालीमार बाग के निवासियों के लिए ही नहीं है। अपितु पूरी दिल्ली में सामाजिक और राजनीतिक कार्यों में कार्यरत सभी कार्यकर्ताओं के लिए बहुत दु:ख देने वाला है।

पिछले 25 वर्षों से भारत विकास परिषद की कार्यकर्ता होने के कारण मेरा उनके घर में आना जाना लगा रहता था। और उस समय भारत विकास परिषद की बैठक के लिए यदि कोई सबसे उत्तम स्थान लगता था तो वह श्री भूपेंद्र मोहन भंडारी जी का घर था। उनके घर में उनकी धर्मपत्नी बैठक में आने जाने वाले सभी कार्यकर्ताओं का हाल-चाल जरूर पूछा करती थीं। और यही नहीं उन सबके लिए जलपान की भी उत्तम व्यवस्था करती थीं। मैंने स्वयं उनके घर में अतिथियों की आवभगत देखी। मैंने श्री भूपेंद्र मोहन भंडारी और उनकी प्यारी पत्नी को सदैव हंसते हुए देखा। और नोकझोंक भी करते हुए देखा।

कई बार दिल्ली से बाहर भी हम उनके परिवार के साथ गए। हर बार ऐसा लगा मानो कि अपने परिवार के लोगों के साथ घूम फिर रहे हैं। बातचीत कर रहे हैं। और भारत विकास परिषद की बैठक का आनंद ले रहे हैं।

सच में आज हमारे भाई भूपेंद्र मोहन भंडारी जी की पत्नी के रूप में हमने एक बहुत ही ममतामयी हंसमुख, सरल स्वभाव की महिला को खोया है। उनका निधन समाज के लिए एक अपूरणीय क्षति है। ईश्वर के चरणों में प्रार्थना है कि उनको गोलोकधाम में नित्य निवास मिले। वह अपना गृहस्थ आश्रम धर्म निभाकर, अपने पीछे भरा पूरा परिवार छोड़ कर गई हैं। सेवा में परिपूर्ण एवम् प्रेम भाव से ओतप्रोत आपके परिवारजनों को देखकर हमें आपके द्वारा सिंचित संस्कारों का प्रतिफल अनुभव होता रहेगा।

मैं उन सबको इस आलेख के माध्यम से ना केवल सांत्वना देती हूं बल्कि यह आश्वासन भी देती हूं कि भारत विकास परिषद और भाजपा का परिवार इस दु:ख की घड़ी मेंआपके साथ खड़ा है।

अभी भूपेंद्र मोहन भंडारी जी ने मुझे बताया कि रामकिशन सिंघल जी जो दिल्ली नगर निगम में पूर्व स्थाई समिति अध्यक्ष थे, उनके पुत्र की तबीयत ठीक नहीं है। मैं सभी अपने साथियों से अनुरोध करूंगी कि हम सब प्रार्थना करें कि रामकिशन सिंघल जी के पुत्र शीघ्र अच्छे हों। इसी शुभ आशीष के साथ——-

इतनी शक्ति हमें देना दाता,

मन का विश्वास कमजोर हो ना।
हम चले नेक रस्ते पे हमसे,
भूलकर भी कोई भूल हो ना।
इतनी शक्ति.....

धन्य गृहस्थ आश्रम का वैभव, धन्य सभी से स्नेह मिलन,
ज्ञान - भक्ति - सेवामय - हंसमुख धन्य आपका प्रेरणामय जीवन।